'प्रदेश की 6759 पंचायतों के चुनाव कब करवाए जाएंगे?'

राजस्थान हाई कोर्ट में राज्य सरकार और चुनाव आयोग से पूछा और 7 अप्रैल तक जवाब मांगा

- **कोर्ट ने कहा, राज्य सरकार व चुनाव आयोग, चुनाव कार्यक्रम के साथ जवाब दें।**
- **हाई कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा पंचायतों के चुनाव स्थगित करने तथा निवर्तमान सरपंचों को प्रशासक लगाने के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।**

जयपुर, 1 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की 6759 पंचायतों के चुनाव स्थगित कर निवर्तमान सरपंचों को प्रशासक लगाए जाने से जुड़े मामले में राज्य सरकार व चुनाव आयोग से कहा है कि वे 7 अप्रैल तक चुनाव कार्यक्रम सहित यह बताए कि पंचायतों के चुनाव कब होंगे। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश गिर्राज सिंह व अन्य की जनहित याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने बताया कि पिछली सुनवाई पर अदालत ने राज्य सरकार को पंचायत चुनावों का कार्यक्रम बताने के लिए कहा था। इसके बावजूद राज्य सरकार ने ना कार्यक्रम पेश किया है और ना यह बताया है कि पंचायत चुनाव कब होंगे। राज्य सरकार ने आदेश की पालना नहीं की है।

राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि मामले में जवाब पेश किया जा चुका है।

महाधिवक्ता किसी अन्य केस में जयपुर से बाहर हैं, इसलिए समय दिया जाए। इसके बाद खंडपीठ ने राज्य सरकार व चुनाव आयोग को पंचायत चुनाव का कार्यक्रम पेश कर जानकारी देने को कहा।

पीआईएल में कहा गया कि पंचायत राज विभाग ने 16 जनवरी 2025 की नोटिफिकेशन के जरिए संविधान व पंचायत राज अधिनियम के प्रावधानों की अवहेलना कर ग्राम पंचायतों के चुनाव स्थगित कर दिए और निवर्तमान सरपंचों को प्रशासक नियुक्त कर उन्हें वित्तीय अधिकार दे दिए। वहीं, वार्ड पंचों को प्रशासनिक कमेटी का सदस्य बना दिया। यह अधिसूचना पंचायती राज कानून के खिलाफ है। नोटिफिकेशन में ना तो चुनाव कराने की कोई सीमा तय है और ना प्रशासकों के कार्यकाल की कोई तिथि तय की है। जबकि संवैधानिक प्रावधानों के तहत ना तो पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है और ना ही उनमें प्रशासक लगाए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा जिला परिषद के कर्मचारियों को भी इस वृद्धि का लाभ मिलेगा।

कर्मचारियों को मई 2025 में देय अप्रेल 2025 के वेतन से बढ़े हुए महंगाई भत्ते का नकद भुगतान किया जाएगा तथा दिनांक 01 जनवरी से 31 मार्च 2025 तक तीन माह की राशि संबंधित कर्मचारियों के सामान्य प्रावधायी निधि खाते में जमा की जाएगी। पैंशनरों को 01 जनवरी, 2025 से महंगाई राहत का नकद भुगतान किया जायेगा। कर्मचारियों और पैंशनरों के हित में लिए गए इस निर्णय से राज्य सरकार पर लगभग 820 करोड़ रूपए का वार्षिक वित्तीय भार आएगा।

प्र.मंत्री मोदी ने उत्कल दिवस पर शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली, 01 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को उत्कल दिवस के अवसर पर ओडिशा के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि भारत को ओडिशा के इतिहास, साहित्य और संगीत पर गर्व है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र और ओडिशा सरकारें राज्य की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर काम कर रही हैं।

- **प्रधानमंत्री ने कहा, भारत को ओडिशा के इतिहास, साहित्य व संगीत पर गर्व है।**

मोदी ने सोशल मीडिया एक्स उड़िया और अंग्रेजी में अलग-अलग पोस्ट में लिखा, उत्कल दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं! यह दिन ओडिशा की गौरवशाली संस्कृति के लिए उपयुक्त श्रद्धांजलि है। भारत को ओडिशा के इतिहास, साहित्य और संगीत पर गर्व है। ु

ओडिशा के लोग मेहनती हैं और उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। पिछले एक वर्ष में, केंन्द्र और ओडिशा सरकारें राज्य की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर काम कर रही हैं।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता गिरजा व्यास की हालत गंभीर

पूर्व केन्द्रीय मंत्री व्यास गणगौर की पूजा के समय गंभीर रूप से झुलस गईं थीं

- **अहमदाबाद के ज़ायडस अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।**
- **डॉक्टर्स ने कहा, उनकी स्थिति गंभीर है। 60 प्रतिशत बर्न के साथ गिरने से सिर में जो चोट लगी है, उससे उन्हें ब्रेन हैमरेज हो गया है।**

उदयपुर, 1 अप्रैल। कांग्रेस की दिग्गज नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री गिरिजा व्यास की हालत नाजुक बनी हुई है। सोमवार को गणगौर पूजन के दौरान वे 50 प्रतिशत झुलस गईं। फिलहाल उन्हें अहमदाबाद के जायडस अस्पताल के आईसीयू में रखा गया है।

हॉस्पिटल के बर्न स्पेशलिस्ट डॉ. गिरीश अमलानी ने स्थिति गंभीर बताते हुए कहा कि व्यास 60 प्रतिशत झुलसी हैं। गिरने से सिर में चोट लगने के कारण ब्रेन हेमरेज भी हुआ है। गंभीर स्थिति के कारण अभी सर्जरी भी संभव नहीं है। आपको बता दें कि गिरिजा व्यास सोमवार को घर में गणगौर पूजा के दौरान आरती कर रही थीं । इसी दौरान दीपक की लौ से चुन्नी में आग लग गई, जिसके कारण व्यास गंभीर रूप से झुलस गईं ।

गिरिजा व्यास के भाई गोपाल शर्मा ने ब्रेन हेमरेज की बात से इनकार किया है। उन्होंने कहा , दीदी सिर्फ आईसीयू वार्ड में भर्ती हैं। हमारे लिए वे मां-बाप सब कुछ हैं, बस उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने भी गिरिजा व्यास की सेहत को लेकर उनके परिवार से बात की है और जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। घटनाक्रम को बताते हुए शर्मा ने कहा कि कल उन्हें अमेरिकन हॉस्पिटल से अहमदाबाद के जायडस अस्पताल ले गए थे, जहां उनका इलाज जारी है। डॉ. गिरिजा व्यास वरिष्ठ कांग्रेस नेता हैं। वे केन्द्र और राज्य में बड़े पदों पर रह चुकी हैं। वे राज्य और केन्द्र सरकार में मंत्री रहने के अलावा, कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष रह चुकी हैं। दो बार राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकी हैं। 1985 से 1990 तक विधायक और राजस्थान सरकार में पर्यटन राज्य मंत्री रहीं। गिरिजा व्यास साल 1991 में पहली बार सांसद बनीं। वे उदयपुर से तीन बार सांसद रहीं। वे 1996 और 1999 में उदयपुर से कांग्रेस के टिकट पर सांसद का चुनाव जीतीं। 2009 में चित्तौडगढ़ से लोकसभा चुनाव जीतीं। वे कांग्रेस की मीडिया प्रभारी, विचार विभाग की प्रमुख रहने के अलावा, कांग्रेस के मुखपत्र कांग्रेस संदेश की एडिटर इन चीफ भी रह चुकी हैं।

तमिलनाडु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्नाद्रमुक नहीं भाजपा करेगी। यह भाजपा का आंतरिक मामला है लेकिन अन्नाद्रमुक इस गठबंधन में सीनियर पार्टनर है।

लगता है खुद अन्नामलाई भी समझ गए हैं कि पार्टी की प्रदेश इकाई में उनके दिन पूरे हो गए हैं। यहबात तब पता चली जब उन्होंने पत्रकारों से कहा कि नेतृत्व उन्हें जो भी भूमिका देगा उसे स्वीकार करने के लिए वे तैयार हैं।

कोवाई ने कहा कि, अन्नामलाई राजनीति में नए हैं हम किसी को भी अन्नाद्रमुक की राह का कांटा नहीं मानते हैं जहां तक तमिलनाडु का सवालहै, गठबंधन में अन्नाद्रमुक वरिष्ठ पार्टनर हैं।

उन्होंने कहा कि, तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से पहले के राजनैतिक घटनाक्रम में अन्नाद्रमुक का पलड़ा भारी है, पर उसका भाजपा के आंतरिक मसलों से कोई लेना-देना नहीं हैं। हमारे नेताओं के पास इसके लिए वक्त नहीं है। पलानीस्वामी का फोकस चुनाव जीतने पर है और सरकार बनाने पर है पर अगर पार्टी अन्नाद्रमुक के अनुकूल फैसले करना चाहती है तो यह उनका फैसला है।

सूत्रों के अनुसार तमिलनाडु के वरिष्ठ भाजपा नेता कल्याण रमन ने पार्टी नेतृत्व को अन्नामलाई तथा पार्टी पर उसके प्रभाव के बारे में दो साल पहले ही बता दिया था पर तब यह बात सुनी नहीं गई। पर अब हालात अन्नामलाई के प्रतिकूल हैं और तमिलनाडु भाजपा के अधिकांश नेता अन्नामलाई को नहीं चाहते हैं।

ब्यावर में टैंकर से नाइट्रोजन गैस रिसाव, फैक्टरी मालिक सहित तीन की मौत

60 से अधिक गंभीर पीड़ितों को अजमेर के जेएलएन अस्पताल रैफर किया

- **सरकार ने मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रूपए तथा घायलों को 25-25 हजार रूपए की सहायता दी।**

अजमेर, 1 अप्रैल (कासं)। अजमेर संभाग के ब्यावर जिले के बलाड़ रोड, सादों का बाड़िया क्षेत्र स्थित सुनील ट्रेडिंग कंपनी के तेजाब गोदाम में खड़े टैंकर से नाइट्रोजन गैस का रिसाव होने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में करीब 60 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए। गैस रिसाव रोकने के चक्कर में फैक्टरी मालिक सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई गंभीर पीड़ितों को अजमेर जेएलएन अस्पताल रैफर किया है। हादसा सोमवार देर शाम को हुआ था। हादसे के प्रभावित लोगों को इलाज के लिये ब्यावर के राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय व अन्य निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार, गैस रिसाव के चलते जहरीली गैस की चपेट में आने से करीब साठ से अधिक लोगों की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अजमेर के जेएलएन अस्पताल रेफर कर दिया, जहां मंगलवार सुबह दो लोगों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, दो अन्य मरीज बाबूलाल और लक्ष्मी देवी की हालत गंभीर बनी हुई है और वे जेएलएन अस्पताल में भर्ती हैं। गैस रिसाव की सूचना मिलते ही फैक्ट्री मालिक सुनील सिंघल ने गैस को नियंत्रित करने की पूरी कोशिश की, लेकिन इस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अजमेर रेफर किया गया, जहां देर रात उनकी मौत हो गई। इसके अतिरिक्त, नरेन्द्र सोलंकी पुत्र भैरुलाल सोलंकी निवासी सरगांव व दयाराम नामक युवक की भी मौत हो गई है। वहीं, जिला कलेक्टर लोक बंधु ने ब्यावर गैस रिसाव दुखान्तिका के संबंध में समुचित उपचार करने के लिए जेएलएन चिकित्सालय के चिकित्सकों को निर्देश प्रदान किए।

जेएलएन चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. अरविन्द खरे ने बताया कि ब्यावर गैस रिसाव दुखान्तिका के पीड़ित व्यक्तियों से मिलकर मंगलवार को जिला कलेक्टर लोक बन्धु ने समुचित उपचार करने के लिए निर्देश दिए। वे ब्यावर स्थित राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय में उपचाररत पीड़ितों के उपचार करने वाले चिकित्सकों के साथ लगातार सम्पर्क में हैं। किसी मरीज के रेफर किए जाने की स्थित में आपातकालीन वार्ड एवं आईसीयू वार्ड में पलंग आरक्षित रखने के निर्देश दिये गये हैं। जिला कलैक्टर ने घायलों का अस्पतालमें जाकर जायजा लिया। उन्होंने अस्पतालअधीक्षक को ऑक्सीजन, मेडिकल किट, अतिरिक्त बेड, अतिरिक्त स्टॉफ की व्यवस्था करने तथा विशेषज्ञों का मेडिकल बोर्ड गठित कर घायलों को समुचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही ब्यावर अस्पताल से समन्वय कर, रेफर किए जाने योग्य मामलों के लिए अतिरिक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों को और सख्त करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

फैक्ट्री में हुए गैस रिसाव के कारण पीड़ित व्यक्तियों एवं परिजनों से मंगलवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत एवं विधायक अनिता भदेल ने मिलकर बेहतरीन उपचार एवं हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया।

मंत्री अविनाश गहलोत एवं विधायक अनिता भदेल ने जेएलएन चिकित्सालय अजमेर में पहुंचकर पीड़ित व्यक्तियों एवं उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. अरविन्द खरे एवं उप अधीक्षक डॉ. अमित यादव से उपचार के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने पीड़ित व्यक्तियों का बेहतरीन उपचार करने के निर्देश दिए। ब्यावर से 22 व्यक्ति जेएलएन चिकित्सालय अजमेर में रैफर किए गए थे। इनमें से 6 आईसीयू में, 4 पीडियाट्रिक वार्ड में तथा 9 आपातकालीन यूनिट में उपचाररत हैं। इस दुखान्तिका में सुनील कुमार, नरेन्द्र सोलंकी एवं दयाराम की उपचार के दौरान मौत हो गई। मंत्री गहलोत ने इनके परिजनों के साथ बातचीत कर ढांढस बंधाया। उन्होंने अस्पताल पहुंचकर घायलों के हालचाल जाने। घायल व्यक्तियों एवं उनके परिजनों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि विपदा की इस घड़ी में सरकार आपके साथ है। प्रत्येक व्यक्ति को बेहतरीन उपचार उपलब्ध करवाया जाएगा। इसके लिए पर्याप्त दवाओं की व्यवस्था की गई है। विशेषज्ञ चिकित्सकों के दल लगातार ध्यान रख रहे है। उन्होंने इस दुर्घटना को हृदयविदारक बताते हुए प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए सरकार तत्पर है। औद्योगिक सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर भी कड़े कदम उठाए जाएंगे। सरकार ने मृतक व्यक्तियों के परिजनों के लिए एक-एक लाख तथा घायल व्यक्तियों के लिए 25-25 हजार रुपये की तात्कालिक सहायता राशि उपलब्ध करवाई है। इसके अतिरिक्त भी उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। इस संबंध में सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

'पंजाब में आप सरकार भाजपा के इशारे पर काम कर रही है'

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने आरोप लगाया

- **वड़िंग ने राज्य में प्रदर्शन कर रहे किसानों के प्रति एकजुटता व्यक्त की।**

चंडीगढ़ , 01 अप्रैल। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं के आवासों के बाहर राज्य भर में प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ एकजुटता व्यक्त की।

वड़िंग ने एक बयान में कहा कि आप ने किसानों को बुरी तरह से निराश किया है और उनके साथ विश्वासघात किया है।

उन्होंने कहा कि शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे किसानों पर निर्मम कार्रवाई के बाद, सभी को उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान कम से कम केन्द्र सरकार के समक्ष इस मामले को उठाएंगे।

उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से हमारे सीएम ने जानबूझकर चुप्पी साध रखी है, जिसका कारण वे ही जानते हैं।

उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा, आप, भाजपा के फ्रंटल संगठनों में से एक बन गई है और पंजाब में उसके इशारे पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आप किसानों के लिए केवल मगरमच्छ के आंसू बहा रही है, जबकि वास्तव में वह किसानों के संघर्ष को विफल करने के लिए भाजपा के साथ गठबंधन कर रही है।

वड़िंग ने पूछा कि मुख्यमंत्री को चार साल पहले किसानों से किए गए अपने वादों का मामला उठाने से किसने रोका। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने किसानों से किए गए अपने वादों की याद दिलाने के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखने की भी जहमत नहीं उठाई। उन्होंने कहा कि आप ने इतने सालों तक जो किसान समर्थन का दिखावा किया था, वह आखिरकार खत्म हो गया है और पार्टी पंजाबियों के सामने बेनकाब हो गई है।

बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री का बॉयलर फटा: 21 मजदूरों की मौत, 5 घायल

दो दिन पहले सभी मृतक व घायल मध्यप्रदेश से मजदूरी के लिए यहाँ आए थे

अहमदाबाद, 01 अप्रैल। गुजरात के बनासकांठा के नजदीक डीसा में मंगलवार सुबह 8 बजे पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से मध्य प्रदेश के 21 मजदूरों की मौत हो गई। इसके अलावा, हादसे में 5 मजदूर घायल हुए हैं।

फैक्ट्री डीसा तहसील की धुनवा रोड पर है। विस्फोट के दौरान मजदूर फैक्ट्री में काम कर रहे थे। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूरों के अंग 50 मीटर दूर तक बिखर गए। फैक्ट्री के पीछे खेत में भी कुछ मानव अंग मिले हैं। फायर ब्रिगेड को आग पर काबू पाने में 5 से 6 घंटे लगे।

नरेन्द्र मोदी ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की मदद का ऐलान किया है।

बताया जा रहा है कि दो दिन पहले ही हादसे के शिकार मृतक मजदूरी के लिए आए थे। घायल मजदूर मध्य प्रदेश के हरदा जिले के हंडिया गांव के रहने वाले हैं। फिलहाल, मृतकों की पहचान की जा रही है।

डीसा एसडीएम नेहा पांचाल ने बताया कि घटना में घायल सभी लोगों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल 3 लोगों का इलाज चल रहा है। ये 40 प्रतिशत से अधिक झुलस गए हैं। उन्होंने कहा कि हादसे को लेकर प्रशासन की ओर से जांच जारी है।

दीपक ट्रेडर्स नाम की यह पटाखा फैक्ट्री खूबचंद सिंधी की है। वे इस फैक्ट्री में विस्फोटक लाकर पटाखे बनवाते थे। हालांकि अब तक की जांच में पता चला है कि कंपनी मालिक के पास केवल पटाखे बेचने का लाइसेंस है, बनाने का नहीं, इसलिए स्थानीय पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

पूंजीपतियों के इशारे पर आदिवासियों के साथ अन्याय

नयी दिल्ली, 01 अप्रैल। कांग्रेस ने कहा है कि आदिवासियों को जल, जंगल और जमीन के अधिकारों से वंचित किया जा रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार आदिवासियों के हकों की रक्षा को लेकर चुप्पी साधे हुए है और वनवासियों के अधिकारों को चुनौती दी जा रही है, जिस पर बुधवार को उच्चतम न्यायायल में महत्वपूर्ण सुनवाई होनी है।

आदिवासी कांग्रेस के प्रमुख डॉ. विक्रांत भूटिया ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन कहा कि आदिवासियों के साथ न्याय नहीं हो रहा है और पूंजीपतियों के इशारे पर आदिवासियों को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है।

'27 प्रतिशत मतदाता स्टालिन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बड़ा कारण है स्टालिन के नेतृत्व को जनता द्वारा पसंद किया जाना। लेकिन विजय एक नया फैक्टर है और युवा वर्ग में उसकी काफी अपील है जिसे द्रमुक अनदेखा नहीं कर सकती है खासकर तब जब द्रमुक को सरकार विरोधी फैक्टर का सामना भी करना पड़ रहा है। और पूर्व में भी कानून व व्यवस्था के मुद्दे पर द्रमुक को भारी कीमत चुकानी पड़ी है।

सर्वे में तमिलनाडू सरकार के प्रति जनता के संतोष को भी देखा गया। निष्कर्षों के अनुसार 15 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे बहुत ज्यादा संतुष्ट है, 36 प्रतिशत ने खुद को एक हद तक संतुष्ट बताया, और 25 प्रतिशत ने कहा कि वे असंतुष्ट हैं तथा 25 प्रतिशत ने कोई राय नहीं दी। यही बात है जो द्रमुक के लिए चिंता का कारण है।

मुख्यमंत्री के रुप में स्टालिन के व्यक्तिगत प्रदर्शन पर 22 प्रतिशत ने खुद को बहुत ज्यादा संतुष्ट बताया, 33 प्रतिशत ने किसी हद तक संतुष्ट बताया वहीं 22 प्रतिशत ने पूर्ण असंतोष जताया और 23 प्रतिशत ने कोई राय नहीं दी।

लेकिन स्टालिन के लिए खुशी की बात यह है कि विपक्ष के नेता ई. पलानीस्वामी के बारे में जनता की राय बहुत खराब है। इसके अलावा विपक्ष के रुप में भाजपा ज्यादा सक्रिय नज़र आती है। इससे भी पलानीस्वामी का दबदबा घटा हैं।

हालांकि स्टालिन सर्वाधिक लोकप्रिय हैं पर विजय के राजनीति उभरने से उनके समीकरण बिगड़ सकते हैं। पर अभी उनके पास एक साल का टाइम है।

नाबालिग से दुष्कर्म....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीड़िता ने बताया कि अभियुक्त उसे अपने कमरे में ले गया तथा उसके साथ दुष्कर्म किया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने आरोपों को दोहराया। दूसरी ओर, अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसके पीड़िता की मां से प्रेम संबंध थे। इसके चलते पीड़िता के पिता ने उसकी मां को दबाव में लेते हुए झूठा मामला दर्ज करवा दिया और पुलिस ने भी जबरन चिकित्सीय साक्ष्य जुटाए हैं। इसलिए उसे दोषमुक्त किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद, अदालत ने अभियुक्त को दोषी मानते हुए बीस साल की सजा से दंडित किया है।

अन्य राज्यों के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देते हुए याचिका में कहा गया कि दिव्यांगजन अधिनियम केंद्रीय कानून है और संपूर्ण भारत में समान रूप से लागू है। इसके अलावा याचिकाकर्ताओं ने एससी, एसटी या ओबीसी के पद के लिए आवेदन नहीं किया है। उन्होंने सामान्य दिव्यांग वर्ग में आवेदन किया है, एवं नियुक्ति देते समय भी उनका मेडिकल होगा।

ऐसे में यदि वह दिव्यांग साबित नहीं होते हैं तो उनका चयन निरस्त हो जाएगा। इसलिए उन्हें नियुक्ति दी जानी चाहिए।

याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि भर्ती विज्ञापन में शर्त रखी गई थी कि दिव्यांग वर्ग में आवेदन करने के लिए प्रदेश के सक्षम अधिकारी के ही दिव्यांग प्रमाण पत्र को मान्यता दी जाएगी। याचिकाकर्ताओं के पास प्रदेश से बाहर का दिव्यांग प्रमाण पत्र है। ऐसे में उन्हें नियुक्ति नहीं दी गई।

मामले पर सुनवाई करते हुए अदालत ने चार सप्ताह में याचिकाकर्ताओं को नियुक्ति देने के लिए कहा है।

प्रयागराज में अंबेडकर की मूर्ति तोड़ी, भारी हंगामा

टिकरी गांव में सोमवार रात कुछ बदमाशों ने यह हरकत की

- **मंगलवार सुबह जब लोगों ने टूटी मूर्ति देखी तो वे आक्रोशित हो गए तथा भारी भीड़ जुट गई। पुलिस ने हालात नियंत्रित रखने के लिए भारी जाप्ता लगाया।**

प्रयागराज, 01 अप्रैल। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के मांडा क्षेत्र में संविधान रचयिता डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को कुछ शरारती तत्वों के द्वारा खंडित किए जाने से आक्रोशित लोगों की भीड़ के हंगामा करने की सूचना पर कई थानों की पुलिस पहुंच गयी।

मांडा थाना के दिघिया पुलिस चौकी क्षेत्र की ग्रामसभा टिकरी में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को कुछ शरारती तत्वों ने सोमवार की रात किसी समय क्षतिग्रस्त कर दिया। सुबह मूर्ति का दाहिना हाथ टूटा देख ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। काफी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। गुस्साए लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। मूर्ति तोड़ने और हंगामे की खबर पाकर मेजा एसडीएम दशरथ कुमार, एसीपी रवि कुमार गुप्ता समेत दो थानों की फोर्स वहाँ पहुंच गई। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने लोगों को समझा कर शांत किया। गांव में फोर्स तैनात कर दी गई है।

घटना की सूचना पाकर सामाजिक संगठन के लोगों के साथ भीम सेना के कार्यकर्ता भी घटना स्थल पर पहुंचे हैं। मांडा थाने में ग्रामीणों ने तहरीर दी है। बसपा पदाधिकारियों ने थाने में अंबेडकर की मूर्ति को तोड़ने वाले की गिरफ्तारी को लेकर पत्र दिया।

आदर्श समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष दिनेश चौधरी ने बताया कि यहां विधानसभा मेजा के टिकरी गांव में कल रात अमर्यादित विचारधारा के लोगों ने बाबा साहेब की मूर्ति का एक हाथ तोड़ दिया है।

सूचना मिलते ही सुबह हम लोग यहां आए हैं। देखा तो बाबा साहब की मूर्ति का दाहिना हाथ तोड़ा गया है।

उन्होंने बताया कि बाबा साहब अंबेडकर का सिर्फ हाथ नहीं तोड़ा गया है बल्कि उनकी विचारधारा को तोड़ा है, देश के अंदर समता-स्वतंत्रता-संधुत्व की विचारधारा को तोड़ा है। जो इस विचारधारा को नहीं मानते हैं, उन्होंने ही इस मूर्ति को तोड़ा है। हमने शासन प्रशासन से मांग की है कि जिन लोगों ने भी मूर्ति को तोड़ा है, उनकी 24 घंटे के अंदर गिरफ्तारी हो।

समाजवादी पार्टी (सपा) के जिला अध्यक्ष यमुनापार के पप्पू लाल निषाद ने घटना की घोर निंदा की है। बताया कि पार्टी के मेजा से विधायक संदीप सिंह पटेल मौके पर गए है। घटना में दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है और प्रशासन ने जल्द नई मूर्ति लगवाने की मांग की है।

नमाज़ पर रोक की निंदा

श्रीनगर, 01 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक जामिया मस्जिद और श्रीनगर के पुराने शहर में ईद की नमाज़ की अनुमति नहीं दिए जाने के एक दिन बाद, सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस ने इस कदम को 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय' करार दिया।

पार्टी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि आतंकवाद के चरम के दौरान भी इन दोनों स्थलों पर नमाज़ कभी नहीं रोकी गई। भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए पार्टी ने कहा, आज तथाकथित सामान्य स्थिति के नाम पर लोगों को उनके मौलिक धार्मिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है।

गौरतलब है कि केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के पास है, न कि सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार के पास।

साबरमती आश्रम पुनरोद्धार केस, तुषार गांधी की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

नयी दिल्ली, 01 अप्रैल। उच्चतम न्यायालय ने अहमदाबाद में साबरमती आश्रम और उसके आसपास के इलाकों का पुनरुद्धार करने के गुजरात सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी की याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने गुजरात उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी, जिसमें इस मामले में याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया गया था। गुजरात सरकार ने दावा किया था कि 1200 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना के तहत मौजूदा आश्रम को न तो छेड़ा जाएगा, न ही उसमें कोई बदलाव किया जाएगा।

उच्च न्यायालय ने सितंबर, 2022 में याचिका खारिज करते हुए महसूस किया कि प्रस्तावित परियोजना महात्मा गांधी के विचारों और दर्शन को बढ़ावा देगी और यह व्यापक रूप से मानव जाति के लिए फायदेमंद होगी।

पुनरुद्धार के बाद गांधी आश्रम सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए सीखने का स्थान होगा। याचिका में दावा किया गया कि आश्रम को "विश्व स्तरीय संग्रहालय" और "पर्यटक स्थल" बनाने के लिए इसे फिर से डिजाइन और पुनर्विकास करने का निर्णय महात्मा गांधी की (30 सितंबर, 1933 को उनके लिखित निर्देश के अनुसार) व्यक्तिगत इच्छाओं के बिल्कुल विपरीत है।

दो बाघों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विचरण होने से ग्रामीण फसलें नहीं काट पा रहे थे।

खेतों एवं वन क्षेत्र के मध्य से जो रास्ता निकलता है, वह ग्रामीणों का मुख्य मार्ग है, जिससे ग्रामीणों का भोजपुर, मण्डीदीप और बंगरसिया आना-जाना लगा रहता है।

कुछ ग्रामीण मण्डीदीप फैक्ट्रियों में नौकरी करने भी जाते हैं।

वन विभाग से ग्रामवासी लगातार टाइगर्स के रेस्क्यू की माँग कर रहे थे। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर भी टाइगर के मूवमेंट के संबंध में लिखा था। ग्रामीणों की माँग को दृष्टिगत रखते हुए वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने दोनों टाइगर्स को रेस्क्यू करने का निर्णय लिया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908